लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 20 मार्च, 2017

प्रो. नेत्रपाल सिंह को मिला 'प्रताप नारायण मिश्र पुरस्कार'

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान उ.प्र. के तत्वावधान में पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2016-17 का आयोजन हिन्दी संस्थान के यशपाल सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर कुमार मिश्रा, विशिष्ट अतिथि प्रदीप भटनागर तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान के अध्यक्ष डॉ. हरिओम द्वारा की गयी।

इस अवसर पर संस्थान की पत्रिका अपरिहार्य का पुरस्कार एवं सम्मान विशेषांक, डॉ. भारतेन्दु मिश्र की पुस्तक भारतीय साहित्य के निर्माता बलभद्र प्रसाद दीक्षित, डा. जटाशंकर त्रिपाठी की पुस्तक भारत के प्रमुख तीर्थ स्थल, माया अग्रवाल की पुस्तक पंखुड़ियां का लोकार्पण किया गया।

इनका हुआ सम्मान

प्रो. नेत्रपाल सिंह को दीर्घकालीन सहित्य सेवा हिन्दी गद्य के लिए

● अन्य 44 साहित्यकारों को भी मिला सम्मान

प्रताप नारायण मिश्र पुरस्कार, विनोद चंद्र पाण्डेय को हिन्दी पद्य के लिये शिव सिंह सरोज पुरस्कार, ओपी श्रीवास्तव को हिन्दी गद्य की मौलिक प्रकाशित कृति गणनायक के लिये बालकृष्ण भट्ट पुरस्कार, राजेन्द्र प्रसाद अष्ठाना को हिन्दी पद्य की मौलिक प्रकाशित कृति हाशिये समय के लिये कवयित्री महादेवी वर्मा पुरस्कार, मोहम्‍ मद अनीस अंसारी को उर्दू पद्य के लिये मीर तकी मीर पुरस्कार, पुरस्कार के रूप में इक्यावन हजार की नगद राशि, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र प्रदान किया गया।

ये भी हुए सम्मानित

राज्यकर्मी साहित्यकार में मोहम्मद सलीम को शरतरचंद चट्टोपध्याय पुरस्कार, गुरिन्दर सिंह कलसी को सुब्रह्मयणम भारती पुरस्कार, राजीव सक्सेना को पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी पुरस्कार, योगेन्द्र वर्मा को सुमित्रा नन्दन पंत पुरस्कार, डा. सुरेन्द्र कुमार को भगवती चरण वर्मा पुरस्कार, शिवमंगल को भारतेन्दु हरिशचंद पुरस्कार, केवल प्रसाद को जयशंकर प्रसाद पुरस्कार, कौस्तुभ आनंद को अमृतलाल नागर पुरस्कार, अमित कुमार को डा. शिवमंगल सिंह सुमन पुरस्कार, राजेश कुमार को डा. विजय प्रसाद को गया प्रसाद शुक्ल पुरस्कार, इन्द्रासन सिंह को श्याम सुन्दर दास पुरस्कार, रामशंकर को डा. हरिवंश राय बच्चन पुरस्कार, कामिनी को रामधारी सिंह पुरस्कार, अमजद हुसैन को मिर्जा असद उल्ला खां गालिब पुरस्कार, अलि साहिल को फिराक गोरखपुरी पुरस्कार, डा. तनवीर अहमद को अमीर खुसरो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा 21 साहित्यकारों को साहित्य गौरव सम्मान से नवाजा गया।